PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

NAAC Accredited-2022
'B $^{++}$' Grade (CGPA 2.96)

Name of the Faculty : Humanities

Syllabus : B.A. Part-II Hindi

With effect from : August-2023

Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

Name of the faculty: Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Name of the Course: B.A. – II Hindi, Semester - III

बी.ए. भाग – दो – तृतीय सत्र

Paper No – III, प्रश्नपत्र – 3

Title of the Paper – Aadhunik Hindi Kahani Sahitya

Evam Vyavaharik Hindi

प्रश्नपत्र का नाम – आधुनिक हिंदी कहानी साहित्य

एवं व्यावहारिक हिंदी

With effect from – June 2023-24

जून 2023-24 से आरंभ

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

द्वितीय वर्ष कला (B.A.II)

ऐच्छिक हिंदी (Optional) प्रश्नपत्र क्र.-3

सत्र क्र.-3 (Semester-3)

आधुनिक हिंदी कहानी साहित्य एवं व्यावहारिक हिंदी

अध्यापन वर्षः- 2023-24, 2024-25, 2025-26

परिचय / Introduction

आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य की कहानी विधा अल्पावधि में ही बहुत विकसित हुई है। जीवन की छोटी से छोटी घटना एवं संघर्ष को उसने अपने में आसानी से समा लिया । दिखने में छोटी किंतु मानवी समुदाय की संवेदनशीलता को अत्यंत मार्मिक ढंग से प्रस्तुत करने की क्षमता कहानी साहित्य में है । जैसे-जैसे समाज की विचारधारा में परिवर्तन हुआ उसे आसानी से ग्रहण कराना हिंदी के कहानी साहित्य की अपनी विशिष्ट शैली है । राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक आदि परिस्थितियों के साथ ही वृद्ध, स्त्री, दलित, अल्पसंख्यांक, किन्नर आदि विमर्श को वर्तमान समय की कहानियों में आसानी से देखा जा सकता है । हिंदी कहानी साहित्य में राष्ट्रीयता, नैतिकता, संस्कार, उदारता, परोपकार, आदर्शवाद आदि मूल्यों का अंतर्भाव होता है जिससे पाठक सुसंस्कारित होकर वह मानव समुदाय के प्रति संवेदनशील होने में सहायता होती है ।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course Objectives

1) छात्रों में राष्ट्रीय, सामाजिक एवं मानवी दृष्टिकोण विकसित करना ।
2) छात्रों में जीवन के प्रति सकारात्मकता निर्माण करना ।
3) छात्रों को अपने उत्तरदायित्व के प्रति जागरूक बनाना ।
4) कहानी कला के प्रति अभिरूचि और समीक्षा-दृष्टि विकसित करना ।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1) छात्र हिंदी कहानी साहित्य का अध्ययन कर वर्तमान समाज एवं साहित्य से अवगत होगे ।
2) छात्र राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में कहनी का अध्ययन कर विश्लेषण करेगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching-Learning Process

1) कक्षा व्याख्यान
2) सामूहिक चर्चा
3) कहानी वाचन

CBCS Pattern B.A.-II Paper No. 3, Semester-III

(Credit Theory – 4 Practical 0)

Total Theory Lectures 60

पाठ्यपुस्तकः

गद्यांकुरः संपादक- डॉ. अनिल साळुंखे, डॉ. सतीश घोरपडे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

अध्ययनार्थ इकाईयाँ Total No of Lectures - 60

इकाईः- I Credit – 1 Lectures - 15

1) कहानीः परिभाषा, स्वरूप एवं विकास यात्रा
2) बूढ़ी काकी – प्रेमचंद
3) उस दुनिया की 'ज्योति' – जयंती रंगनाथन
4) जहाँ लक्ष्मी कैद है – राजेंद्र यादव

इकाईः- II Credit – 1 Lectures - 15

5) काग़ज की नावें चाँदी के बाल – सूर्यबाला
6) नेता – संजीव
7) बिट्टन मर गई – जयप्रकाश कर्दम

इकाईः- III Credit – 1 Lectures - 15

8) फैसला – मैत्रेयी पुष्पा
9) फुलवा – रत्नकुमार सांभरिया
10) वापसी – उषा प्रियंवदा

इकाईः- IV Credit – 1 Lectures – 15

1) अनुवादः-अर्थ, परिभाषा, अनुवाद लेखन
2) विज्ञापनः- अर्थ, परिभाषा, विज्ञापन लेखन
3) संवाद कौशल

संदर्भ ग्रंथ सूची / List of Reference Books

१. हिंदी कहानी का विकास (भाग १ और २)- गोपाल राय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
२. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास- बच्चन सिंह
३. हिंदी कहानीः स्वरूप और संवेदना – राजेंद्र यादव
४. विज्ञापन पत्रकारिता – एन.सी.पंत, इंद्रजीत सिंह, कनिष्क पब्लिशर्स, नई दिल्ली
५. आधुनिक विज्ञापन और जनसंपर्क-डॉ.यू.सी.गुप्ता, लोक संस्कृति प्रकाशन, नई दिल्ली
६. प्रयोजनमूलक हिंदी- डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
७. अनुवाद विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली
८. प्रयोजनमूलक हिंदीः प्रयुक्ति और अनुवाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
९. साहित्य और समाज में उभरता किन्नर विमर्श- डॉ. भारती अग्रवाल

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the old Paper	Name of the New Paper
1.	आधुनिक हिंदी गद्यः कहानी एवं व्यावहारिक हिंदी	आधुनिक हिंदी कहानी साहित्य एवं व्यावहारिक हिंदी

Nature of Question Paper

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न 1) बहुविकल्पी आठ प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) अंक 8

प्रश्न 2) लघुत्तरी प्रश्न (6 में से 4) अंक 12
(व्यावहारिक हिंदी पर 4 प्रश्न एवं कहानी पर 2 प्रश्न)

प्रश्न 3) ससंदर्भ स्पष्टीकरण (3 में से 2) (कहानी पर) अंक 10

प्रश्न 4) दीर्घोत्तरी प्रश्न (कहानी पर) अंक 10

Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

Name of the faculty: Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Name of the Course: B.A. – II Hindi, Semester - IV

बी.ए. भाग – दो – चतुर्थ सत्र

Paper No. – V, प्रश्नपत्र – 5

Title of the Paper– Aadhunik Hindi Rekhachitra Sahitya

Evam Shabda-Sampada

प्रश्नपत्र का नाम – आधुनिक हिंदी रेखाचित्र साहित्य

एवं शब्द-संपदा

With effect from – June 2023-24

जून 2023-24 से आरंभ

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

द्वितीय वर्ष कला (B.A.II)

ऐच्छिक हिंदी (Optional) प्रश्नपत्र क्र.- 5

सत्र क्र.-4 (Semester-4)

आधुनिक हिंदी रेखाचित्र साहित्य एवं शब्द-संपदा

अध्यापन वर्षः- 2023-24, 2024-25, 2025-26

परिचय / Introduction

आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य की रेखाचित्र यह विधा अल्पावधि में ही बहुत विकसित हुई है । अपने जीवन में जो भी व्यक्ति, वस्तु, पशू आदि आते है उनसे हमारा आत्मियता भरा रिश्ता बन जाता है । उससे हम अवश्य छोटी-छोटी बाते सीखते है । ऐसे ही मानुष्य जीवन की छोटी से छोटी घटना, व्यक्तित्व की विशेषताएँ एवं जीवन संघर्ष को लेखक रेखाचित्र साहित्य के माध्यम से बखूबी अभिव्यक्त करता है जिससे पाठक प्रेरित होकर अपने जीवन को नया आयाम दे सकता है । दिखने में छोटी किंतु मानवी समुदाय की संवेदनशीलता को अत्यंत मार्मिक ढंग से प्रस्तुत करने की क्षमता रेखाचित्र साहित्य में है । जीवन के प्रत्येक पहलू को रेखाचित्र साहित्य ने सकारात्मक रूप से प्रस्तुत करने का प्रयास किया है । इसका अध्ययन करना हिंदी अध्येताओं का उत्तरदायित्व है ।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course Objectives

1) छात्रों में राष्ट्रीय, सामाजिक एवं मानवी दृष्टिकोण विकसित करना ।
2) छात्रों में जीवन के प्रति सकारात्मकता निर्माण करना ।
3) छात्रों को अपने उत्तरदायित्व के प्रति जागरूक बनाना ।
4) रेखाचित्र कला के प्रति अभिरूचि और समीक्षा-दृष्टि विकसित करना ।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1) छात्र हिंदी रेखाचित्र साहित्य का अध्ययन कर वर्तमान समाज एवं साहित्य से अवगत होगे ।
2) छात्र राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में रेखाचित्र का अध्ययन कर विश्लेषण करने में सक्षम होगे । ।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching-Learning Process

1) कक्षा व्याख्यान
2) सामूहिक चर्चा
3) रेखाचित्र वाचन

CBCS Pattern B.A.-II Paper No. 5, Semester-IV

(Credit Theory – 4 Practical 0)

Total Theory Lectures 60

पाठ्यपुस्तकः

प्रतिनिधि रेखाचित्रः संपादक- डॉ. अनिल साळुंखे, डॉ. सतीश घोरपडे,

वाणी प्रकाशन, दिल्ली

अध्ययनार्थ इकाईयाँ Total No of Lectures - 60

इकाईः- I Credit – 1 Lectures - 15

1) रेखाचित्रः परिभाषा, स्वरूप एवं विकास यात्रा
2) गुरूदेव – आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
3) तुम्हारी स्मृति – माखनलाल चतुर्वेदी
4) घीसा – महादेवी वर्मा

इकाईः- II Credit – 1 Lectures - 15

5) बुधिया – रामवृक्ष बेनीपुरी
6) वकील साहब – आ. विनय मोहन शर्मा
7) एक नेत्रहीन की दृष्टिः एक चित्र – विष्णु प्रभाकर

इकाईः- III Credit – 1 Lectures - 15

7) लल्लू कब लौटेगौ? – बनारसीदास चतुर्वेदी
8) साधूसिंह – कन्हैयालाल मिश्र
9) जब तक बिमलाएँ – चित्रा मुद्गल

इकाईः- IV Credit – 1 Lectures – 15

1) अनेकार्थक शब्द- 25 (परिशिष्ट - 1)
2) लोकोक्तियाँ और उनके अर्थ- 25 (परिशिष्ट - 2)
3) वाक्यांश के लिए एक शब्द- 25 (परिशिष्ट - 3)

संदर्भ ग्रंथ सूची / List of Reference Books

१. हिंदी रेखाचित्रः उद्भव और विकास, कृपाशंकर सिंह, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा
२. प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ- डॉ. रामविलास शर्मा
३. प्रगतिशील साहित्य के मानदंड- डॉ. रांगेय राघव
४. माटी की मूरतें – रामवृक्ष बेनीपुरी
५. रेखाचित्र – प्रेमनारायण टंडन
६. प्रिंस क्रोपाटकिन – बनारसीदास चतुर्वेदी
७. विचार और विश्लेषण – डॉ. नगेंद्र
८. स्मृति की रेखाएँ – महादेवी वर्मा

परिशिष्ट – 1

अनेकार्थक शब्दः-

1) अंजाम- फल, परिणाम, समाप्ति, परिष्कार
2) अंत - समाप्ति, नाश, मृत्यु, परिणाम, सीमा
3) अंध- अंधा, विचारहीन, अचेत, अज्ञान, नेत्रहीन व्यक्ति
4) अंबर- आकाश, वस्त्र, परिधि, एक सुगंधी खनिज
5) अंभोज- कमल, कपूर, चंद्रमा, शंख
6) अधिकार- प्रभुत्व, हक, स्थान, कब्जा, हुकूमत, विषय
7) अपवाद- बदनाम, लांच्छन, खंडन, सामान्य नियम से भिन्न बात
8) अभिरूचि- शौक़, झुकाव, विशेष, अभिलाषा
9) कनक- सोना, धतुरा, गेहूँ
10) अवनति- झुकाव, गिरावट, उतार, कमी, दंडवत, विनम्रता
11) उदात्त - उच्च, महान, उदार, श्रेष्ठ, स्पष्ट
12) उपराग- रंग, लाल रंग, लाली, दुर्व्यवहार, निंदा
13) कन- कण, प्रसाद, भीख, कान
14) काम- कार्य, मतलब, संबंध, स्वार्थ, नौकरी
15) कुल - परिवार, वंश, समूह, घर, जाति
16) गजब- अँधेरा, क्रोध, कोप, विपत्ति, संकट
17) गुण- निजी, विशेषता, निपुणता, हुनर, प्राकृतिक वृत्तियाँ, लक्षण
18) गुरु- पूज्य, वजनदार, भारी, बड़ा, कठिन, दीर्घ मात्रा
19) गौरव - बडप्पन, महत्व, गुरुता, आदर, सम्मान, मर्यादा
20) चरण- पाँव, सामीप्य, श्लोक का चतुर्थांश, काल, मान आदि का चौथाई भाग
21) चरित्र- आचरण, चाल-चलन, कार्यकलाप, गुण, गुणधर्म, जीवन-चरित्र, जीवनी
22) जाति- वंश, वर्ण, कुल, जन्म, उत्पत्ति, वर्ग, जात
23) जिगर- कलेजा, साहस, हिम्मत, चित्त, मन
24) गरिमा- महिमा, महत्व, अहंकार, घमंड, गुरूत्व, आत्मश्लाघा
25) तत्व- वास्तविकता, सार, जगत का मूल कारण, ईश्वर, घटक

परिशिष्ट – 2

लोकोक्तियाँ और उनके अर्थः-

1) अधजल गगरी छलकत जाए- ओछा व्यक्ति अधिक प्रदर्शन करता है
2) अकल बडी की भैंस – बुद्धि शारीरिक शक्ति से अच्छी होती है
3) आम के आम गुठलियों के दाम- दोनों ओर से लाभ मिलना
4) आधा तीतर आधा बटेर- पूर्णता नहीं होना, अनमेल रूप या कार्य
5) उलटा चोर कोतवाल को डांटे- अपराध भी करे और अकड़ भी दिखाये
6) ऊँट के मुँह में जीरा – अधिक स्थान पर बहुत कम का प्रयोग
7) एक अनार सौ बीमार- वस्तु कम और चाहनेवाले अधिक
8) एक हाथ से ताली नहीं बजती- झगड़ा एक व्यक्ति से नहीं होता
9) एक तो करेला फिर निम चढा- दुष्ट व्यक्ति के प्रसंग में और पड़ जाना
10) एक म्यान में दो तलवार- समान वर्चस्व के व्यक्ति एक साथ नहीं रह सकते
11) एक और एक ग्यारह होते हैं- एकता में शक्ति होती है
12) अंधा पीसे कुत्ता खाये- मूर्ख की कमाई दूसरे खाते है
13) कहाँ राजा भोज, कहाँ गंगू तेली- अत्याधिक अंतर होना
14) कुछ दाल में काला है- संदेहास्पद स्थिति में होना
15) खोदा पहाड़ निकली चुहियाँ- अधिक परिश्रम से थोड़ा फल मिलना
16) घर की मुर्गी दाल बराबर- अपनी वस्तु का सम्मान नहीं होता
17) चोरी और सीनाजोरी – अपराध करना और अकड़ना
18) छोटे मुँह बड़ी बात- अपनी हैसियत से बढ़कर बातें करना
19) जिसकी लाठी उसकी भैंस- जिसमें बल होता है
20) जैसा देश वैसा भेस- देशानुसार कार्य करना चाहिए
21) थोथा चना बाजे घना- मूर्ख व्यक्ति अधिक बोलता है
22) दीवार के भी कान होते हैं- गुप्त परामर्श में भी सावधान रहना चाहिए
23) पाँचो अंगुलियाँ घी में है- लाभ ही लाभ
24) बड़े बोल का सीर नीचा- अभिमान का पतन होता है
25) अंधों में काना राजा- मूर्खों में कम पढ़ा-लिखा भी विद्वान समझा जाता है

परिशिष्ट - 3

वाक्यांश के लिए एक शब्दः-

1) जिसका कोई नाथ न हो – अनाथ
2) जिसका निवारण न किया जा सके- अनिवार्य
3) जिसकी गणना न की जा सके- अगणित
4) जिस पर किसीने अधिकार प्राप्त कर लिया हो – अधिकृत
5) किसी देश के प्राचीन मूल निवासी- आदिवासी
6) जो काम से जी चुराता हो – कामचोर
7) जो किये गये उपकार को न माने- कृतघ्न
8) जो कार्य करने योग्य हो – करणीय
9) जो कला की रचना करता है- कलाकार
10) जो जानने की इच्छा रखता है- जिज्ञासू
11) जो किसी गुट का सदस्य न हो – तटस्थ
12) जो तत्त्व को जानता हो – तत्वज्ञानी
13) जिसका दमन करना कठिन हो- दूर्दम
14) अक्षर पढने लिखने के ज्ञान से रहित - निरक्षर
15) जो देश-विदेश का भ्रमण करता हो – पर्यटक
16) कम बोलनेवाला- मितभाषी
17) जमीन का हिसाब-किताब रखनेवाला – लेखपाल
18) जो किसी विषय का जानकार हो – विशेषज्ञ
19) जो सुनने योग्य हो- श्रव्य
20) शत्रुओं को मारनेवाला- शत्रुघ्न
21) जिसने पुण्य कार्य हेतु प्राण दिए हो – हुतात्मा
22) जिसने नीचे हस्ताक्षर किए हों – अधोहस्ताक्षरी
23) जो अपनी इच्छा के अधीन हो या अपनी इच्छा पर निर्भर हो- ऐच्छिक
24) जो किये गये उपकार को मानता हो- कृतज्ञ
25) बहुत दूर (आगे - भविष्य) तक देखने वाला- दूरदर्शी

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the old Paper	Name of the New Paper
1.	आधुनिक हिंदी गद्यः एकांकी एवं शब्द संपदा	आधुनिक हिंदी रेखाचित्र साहित्य एवं शब्द-संपदा

Nature of Question Paper

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न 1) बहुविकल्पी आठ प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) अंक 8

प्रश्न 2) लघुत्तरी प्रश्न (06 में से 04) (पूरे पाठ्यक्रम पर) अंक 12
(शब्द-संपदा पर 04 प्रश्न एवं रेखाचित्र पर 02 प्रश्न)

प्रश्न 3) ससंदर्भ स्पष्टीकरण (3 में से 2) (रेखाचित्र पर) अंक 10

प्रश्न 4) दीर्घोत्तरी प्रश्न (रेखाचित्र पर) अंक 10

Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University Solapur

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty:Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Name of the Course: B.A-II Hindi, Semester- III

बी.ए.भाग-दो हिंदी, तृतीय सत्र

Paper No- IV, प्रश्नपत्र क्रमांक-4

Title of the Paper-Madhyayugin Hindi Kavy,Vyakaran avm Lekhan

प्रश्नपत्र का नाम-मध्ययुगीन हिंदी काव्य,व्याकरण एवं लेखन

With effect from June -2023-24

जून 2023 -24 से आरंभ

परिचय / introduction

हिंदी का मध्ययुगीन काव्य विशिष्ट पृष्ठभूमि को दर्शाता है। इसके अध्ययन के बिना किसी भी काल का वास्तविक मूल्यांकन असंभव है। भक्ति कालीन काव्य लोक-जागरण तथा लोकमंगल का स्वर लेकर उगा है। इस काल की कविता एवं कवियों ने भारतवर्ष की भावनात्मकता, आध्यात्मिकता, तथा सांस्कृतिक परंपराओं को अबाधित रखा है। रीतिकालीन कविता प्रेम श्रंगार के साथ-साथ वीरता से भरी है। जिसमें एक कलात्मक अभिव्यंजना उभरकर आती है। इनका अध्ययन समाज तथा संस्कृति को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक है। इन्हें समझने के लिए इन कविताओं का अध्ययन अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1) भक्तिकाल तथा रीतिकाल की सामाजिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक परिस्थिति एवं परिवेश से अवगत कराना।
2) भक्तिकालीन काव्य में निर्गुण और सगुण भक्तिधारा के माध्यम से प्राचीन तथा मध्ययुगीन संस्कृति का अध्ययन कराना।
3) रीतिकालीन काव्य के माध्यम से शृंगार एवं वीर रस की स्थापना का महत्व विशद कराना।
4) रीतिकालीन काव्य के माध्यम से प्रेम भावना का दर्शन कराना।
5) सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में कविता के अध्ययन विश्लेषण की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1) उत्तर मध्यकालीन कविता का अध्ययन समयावधि के साहित्य स्थिति से अवगत कराएगा।
2) सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में कविता के अध्ययन विश्लेषण की जानकारी देगा।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1) कक्षा व्याख्यान
2) सामूहिक चर्चा
3) कविता वाचन

CBCS Pattern B.A.II, Paper No-IV, Semester -III

(Credit Theory- 4, Practical's 0)

Total Theory Lecture 60

पाठ्यपुस्तक:-1.मध्ययुगीन हिंदी काव्य: संपादक डॉ.राजेंद्र खैरनार, डॉ.दादासाहेब खांडेकर, दिव्य डिस्ट्रीब्यूटर्स, कानपुर।

अध्ययनार्थ कविताएँ Total No of lectures 60

इकाई: I Credit-1 lectures-15

1) कबीर (दोहे क्र. 1, 3, 8, 9, 10, 11, 13, 14, 15, 16)

2) जायसी (पद क्र. 2, 3, 6, 7, 8)

इकाई: II Credit-1 lectures-15

3) सूरदास (पद क्र. 1, 2, 3, 4, 5,)

4) मीराबाई (पद क्र. 1, 2, 3, 5, 7)

इकाई: III Credit-1 lectures-15

5) रहीम (दोहे क्र. 2, 3, 4, 6, 8, 10, 11, 13, 14, 17)

6) बिहारी (दोहे क्र. 2, 4, 5, 7, 8, 10, 11, 14, 17, 18)

व्याकरण एवं लेखन

इकाई: IV Credit-1 lectures-15

1) उपसर्ग (सोदाहरण सामान्य परिचय)

2) प्रत्यय (सोदाहरण सामान्य परिचय)

3) वाक्य भेद (अर्थ के आधार पर)

List of reference book

1) आ.रामचंद्र शुक्ल- जायसी ग्रंथावली, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

2) डॉ.भगवान दास तिवारी- संक्षिप्त भूषण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

4) डॉ.हजारी प्रसाद द्विवेदी- कबीर,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

5) रामधारी सिंह दिनकर- काव्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

6) मैनेजर पांडे- भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

7) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र- भूषण, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

8) मैनेजर पांडे - भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

9) आबिद रिजवी- रहीम के दोहे, मनोज प्रकाशन, दिल्ली।

10) डॉ.के.पी. शहा-ॐ पब्लिकेशन, शाहुपुरी,कोल्हापुर।

11) राजशेखर प्रसाद चतुर्वेदी- एम्,आय, पब्लिकेशन,आगरा।

12) प्रा.वसंत खोत- सुबोध हिंदी व्याकरण, फडके प्रकाशन, कोल्हापुर।

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	मध्ययुगीन हिंदी काव्य,व्याकरण एवं लेखन	मध्ययुगीन हिंदी काव्य,व्याकरण एवं लेखन

Nature of Qquestion Paper

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न 1.	बहुविकल्पीय प्रश्न 8 (पूरे पाठ्यक्रम पर)	अंक- 8
प्रश्न 2.	लघुत्तरी प्रश्न (व्याकरण एवं लेखन पर) (6 में से 4)	अंक- 12
प्रश्न 3.	दीर्घोत्तरी प्रश्न (ससंदर्भ स्पष्टीकरण) (मध्ययुगीन हिंदी काव्य पर) (3 में से 2)	अंक- 10
प्रश्न 4.	दीर्घोत्तरी प्रश्न (मध्ययुगीन हिंदी काव्य पर)	अंक- 10
		कुल अंक- 40

Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur university Solapur

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

Name of faculty: Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS syllabus

Name of the Course: B.A-II Hindi, Semester- IV

बी.ए. भाग-दो हिंदी, चतुर्थ सत्र

Paper No- VI, प्रश्नपत्र क्रमांक -6

Title of the Paper- kavy sarang, Vyakaran avm Lekhan

प्रश्नपत्र का नाम- काव्य सारंग, व्याकरण एवं लेखन

With effect from June -2023-24

जून 2023-24 से आरंभ

परिचय / introduction

आधुनिक हिंदी काव्य नवीन भावभुमी और गतिशीलता को लेकर अवतरित हुआ । आधुनिकता, विश्वसनीयता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण इसकी प्रमुख विशेषताएं हैं । उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्ध से आध्यावधि तक की संवेदनाएँ, भावनाएँ, एवं उत्तम विचार सरणियाँ इसमें अभिव्यक्त हुई है । मनुष्य जीवन इसमें विभिव्यंजित हुआ है । आधुनिक हिंदी काव्य प्रेरणा और ऊर्जा का अजस्र स्रोत है । संवेदना तथा ज्ञान क्षितिज के विस्तार के लिए इसका अध्ययन अत्यंत आवश्यक एवं प्रासंगिक है ।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objectives

1) हिंदी साहित्य के आधुनिक काल की पृष्ठभूमि को सम्मुख रखना ।
2) स्वतंत्रता के पश्चात की सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थिति के साथ-साथ मानवीय प्रवृत्तियों को दर्शाना ।
3) छायावाद, प्रगतिवाद,प्रयोगवाद, नई कविता, सठोत्तरी कविता के माध्यम से प्रकृति, मानवीय पीड़ा, संवेदना को सम्मुख रखना ।
4) संवैधानिक मूल्यों से छात्रों को परिचित कराना ।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1) विभिन्न अस्मिताओं और समस्याओं के परिवेश को समझेगा ।
2) आधुनिक हिंदी कवियों का परिचय होगा ।
3) आधुनिक कविता की समझ विकसित होगी ।
4) कविता के वाचन, लेखन, विश्लेषण और परिवेश की समझ विकसित होगी ।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1) कक्षा व्याख्यान
2) सामूहिक चर्चा
3) कविता वाचन

CBCS Pattern B.A.II, Paper No-VI, Semester- IV

(Credit Theory -4,Practical's 0)

Total Theory Lecture 60

पाठ्यपुस्तक:-**1.काव्य सारंग- संपादक प्रो.डॉ.सदानंद भोसले, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि., नई दिल्ली ।**

अध्ययनार्थ कविताएँ- Total No of lectures- 60

इकाई- I Credit-1 lectures-15

1) वैद्यनाथ मिश्र 'नागार्जुन'	बादल को घिरते देखा है
2) गजानज माधव मुक्तिबोध	जन-जन का चेहरा एक
3) अज्ञेय	हिरोशिमा

इकाई- II Credit-1 lectures-15

4) धर्मवीर भारती	ठंडा लोहा
5) निर्मला पुतुल	आदिवासी स्त्रियाँ
6) अनामिका	नमक

इकाई- III Credit-1 lectures-15

7) लीलाधर मंडलोई	1. पेड़ का नाच
	2. जानती है सिर्फ नदी
8) जयप्रकाश कर्दम	बेमानी है आजादी

व्याकरण एवं लेखन

इकाई- IV Credit-1 lectures-15

1) विराम चिन्ह का प्रयोग
2) अनुवाद का सामान्य परिचय
3) हिंदी वेबसाइट

List of reference book

1) डॉ.नामवर सिंह- कविता के नए प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2) भारत भूषण अग्रवाल- हिंदी कविता का वैचारिक परिप्रेक्ष्य, विश्वविद्यालय, प्रकाशन, वाराणसी।
3) डॉ.राम दरस मिश्र- हिंदी कविता आधुनिक आयाम, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4) नंदकिशोर नवल- समकालीन काव्य यात्रा, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली।
5) विश्वनाथ प्रसाद तिवारी- समकालीन हिंदी कविता, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6) नंददुलारे वाजपेयी- नई कविता, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।
7) डॉ.रामानंद श्रीवास्तव नई कविता के परिप्रेक्ष्य में, नीलाभ प्रकाशन,इलाहाबाद।
8) मुक्तिबोध की कविता- डॉ. पद्मा पाटील, कोल्हापुर।
9) सुमित्रानंदन पंत- डॉ नगेंद्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
10) डॉ.वसंत मोरे- हिंदी और उसका व्यवहार,फडके प्रकाशन,कोल्हापुर।
11) प्रो.महादेव बाचुतकर- हिंदी तथा मराठी की संरचना व्यवस्था,मिलिंद प्रकाशन, हैदराबाद।

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	आधुनिक हिंदी काव्य,व्याकरण एवं लेखन	काव्य सारंग,व्याकरण एवं लेखन

Nature of Qquestion Paper

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न 1. बहुविकल्पीय प्रश्न 8 (पूरे पाठ्यक्रम पर)		अंक 8
प्रश्न 2. लघुत्तरी प्रश्न	(व्याकरण एवं लेखन पर) (6 में से 4)	अंक 12
प्रश्न 3. दीर्घोत्तरी प्रश्न	(काव्य सारंग पर ससंदर्भ स्पष्टीकरण) (3 में से 2)	अंक 10
प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न	(काव्य सारंग पर)	अंक 10

कुल अंक 40

Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

Name of Faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Name of the Course : B. A. - II Hindi, Semester - III

बी. ए. भाग - 2 (हिंदी) तृतीय सत्र

(आंतरविद्या शाखा) (I. D. S.)

Title of the Paper – Prayojanmulak Hindi

प्रश्नपत्र का नाम - प्रयोजनमूलक हिंदी

With effect from - June 2023 – 24

जून, 2023 – 24 से आरंभ

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

बी. ए. भाग – 2 (हिंदी)

(आंतरविद्या शाखा) (I. D. S.)

तृतीय सत्र (Semester – III)

प्रयोजनमूलक हिंदी

अध्यापन वर्ष – 2023-24, 2024-25, 2025-26

परिचय / Introduction

हर राष्ट्र या संघ की अपनी एक भाषा होती है | भारतीय परिप्रेक्ष्य में हिंदी ही एक ऐसी भाषा है जो राष्ट्रीय एकता को शाश्वत और अक्षुण्ण बना सकती है | भाषा एक सामाजिक संप्रेषण है | बाजार में ही भाषा के रूप बनते- बिगड़ते रहते हैं और कालांतर में स्थायी हो जाते हैं | आज बाजार ने राष्ट्रीय सीमाएं तोड़ दी है | वैश्वीकरण सीधा बाजारवाद से जुड़ा है | बाजार का सीधा संबंध भाषा से है | यह निर्विवाद सत्य है कि हिंदी ने संपूर्ण राष्ट्र को जोड़ने का काम किया है | हिंदी ने ही भारत को एक करने में अपनी अहं भूमिका निभाई है | इसलिए संविधान ने इसे संपर्क भाषा के रूप में इसका स्वीकार किया है | सूचना क्रांति के इस युग में प्रयोजनमूलक 'भाषा' को अनन्य साधारण महत्त्व प्राप्त हुआ है | आज वही भाषा समृद्ध मानी जाती है, जिसका प्रयोजनमूलक रूप समृद्ध है | हिंदी का प्रयोजनमूलक रूप समृद्ध है इसलिए वह वैश्विक है |

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course Objectives

1. हिंदी के व्यावहारिक पक्ष से परिचित करना |
2. हिंदी में कार्य करने की रुचि विकसित करना |
3. रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करना |

4. राजभाषा,राष्ट्रभाषा हिंदी के प्रति रुचि उत्पन्न करना |
5. कार्यालय, विज्ञापन और अनुवाद कार्य में हिंदी का कौशल विकसित करना |

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. हिंदी के व्यावहारिक पक्ष से परिचित होंगे |
2. हिंदी में कार्य करने की रुचि विकसित होगी |
3. रोजगारपरक शिक्षा प्राप्त होगी |
4. राजभाषा,राष्ट्रभाषा हिंदी के प्रति रुचि उत्पन्न होगी |
5. कार्यालय, विज्ञापन और अनुवाद कार्य में हिंदी का कौशल विकसित होगा |

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. **कक्षा व्याख्यान**
2. **सामूहिक चर्चा**

CBCS Pattern B. A.- II (I. D. S.) Hindi Semester - III

(Credit Theory - 4 Practical - 0)

Total Theory Lectures - 60

अध्ययनार्थ विषय Total No of Lectures - 60

इकाई I Credit – I Lectures 15

प्रयोजनमूलक हिंदी : स्वरूप - विवेचन

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – अर्थ, परिभाषा

2. प्रयोजनमूलक हिंदी – प्रयोजन, नामकरण, विशेषताएं, विविध रूप

बैंक में प्रयुक्त हिंदी, वैज्ञानिक और तकनीकी हिंदी, प्रशासनिक/ कार्यालयीन हिंदी, विधिक हिंदी, वाणिज्य और व्यावसायिक हिंदी, जनसंचार माध्यमों की हिंदी

इकाई II Credit – I Lectures 15

कार्यालयीन हिंदी : स्वरूप और क्षेत्र

1. कार्यालयीन हिंदी - अर्थ, परिभाषा, स्वरूपगत विशेषताएं, प्रयोग क्षेत्र
2. कार्यालयीन पत्राचार - नौकरी के लिए आवेदन पत्र, पदाधिकारी के नाम पत्र, कार्यालय आदेश

इकाई III Credit – I Lectures 15

पत्रकारिता : स्वरूप और विवेचन

1. पत्रकारिता : परिभाषा

2. पत्रकारिता : विभिन्न प्रकार - खोजी पत्रकारिता, आर्थिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, महिला

पत्रकारिता, फिल्म पत्रकारिता, बाल पत्रकारिता, राजनैतिक पत्रकारिता, ग्रामीण एवं कृषि पत्रकारिता, रेडियो पत्रकारिता, विधि पत्रकारिता, शैक्षिक पत्रकारिता, विज्ञान पत्रकारिता

इकाई IV **Credit – I Lectures 15**

प्रयोजनमूलक हिंदी प्रयोग क्षेत्र : प्रत्यक्ष भेंट

1. बैंक, रेल कार्यालय, दूरदर्शन, आकाशवाणी, डाक विभाग
2. वृत्तांत (रिपोर्ट) लेखन -
    1. संम्मेलन संबंधी रिपोर्ट
    2. समारोह संबंधी रिपोर्ट
    3. संगोष्ठी संबंधी रिपोर्ट

परिशिष्ट

पारिभाषिक शब्दावली (अंग्रेजी से हिंदी - 30 शब्द)

List of Reference books / संदर्भ ग्रंथ सूची

1. प्रयोजनमूलक हिंदी : अधुनातन आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख , शैलजा प्रकाशन, कानपुर
2. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषा –रूप – डॉ. माधव सोनटक्के , छाया पब्लिशिंग हाऊस, औरंगाबाद
5. प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रयुक्ति और अनुवाद – डॉ. माधव सोनटक्के , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता – डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

7. प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका – कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

8. व्यावहारिक राजभाषा – आलोक कुमार रस्तोगी, जीवन ज्योति प्रकाशन, दिल्ली

9. पटकथा लेखन फीचर फिल्म – उपेश राठौर, तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्ली

10. मुद्रण कला : उद्भव एवं विकास – डॉ. कैलाश शर्मा, नेशनल पब्लिकेशन, जयपुर

11. दृश्य – श्रव्य माध्यम लेखन – डॉ. राजेंद्र मिश्र, ईशिता मिश्र, दरियागंज, नई दिल्ली

12. नए जनसंचार और हिंदी- डॉ. सुधीश पचौरी, अचला शर्मा

13. संचार माध्यम लेखन – गौरीशंकर रैना, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

परिशिष्ट

पारिभाषिक शब्दावली (अंग्रेजी से हिंदी - 30 शब्द)

01	Agency	अभिकरण
02	Associate Member	सह-सदस्य
03	Agent	अभिकर्ता
04	Auditor	लेखापरिक्षक
05	Bond	बंधपत्र – ऋणपत्र
06	Board	मंडल परिषद
07	Broadcast	प्रसारण
08	Cash Book	रोकडबही
09	Circular	परिपत्र
10	Confidentian	गोपनीय
11	Consumer	उपभोक्ता
12	Democracy	लोकतंत्र
13	Demand Draft	मांग ड्राफ्ट
14	Departure	रवानगी / निर्गमन
15	Delay	विलंब

16	Evaluation	मूल्यांकन
17	Enquiry	पूछताछ
18	Election	चुनाव
19	Eligible	पात्र
20	Finance	वित्त
21	Fellowship	शिष्यवृत्ति
22	Fair copy	स्वच्छ प्रति
23	Gazette	राजपत्र / गजट
24	Governor	राज्यपाल
25	Pass-Port	पारपत्र
26	Pay	अदा करें / वेतन
27	Joint Account	संयुक्त खाता
28	Journalist	पत्रकार
29	Ledger	खाता
30	Manager	प्रबंधक

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1.	प्रयोजनमूलक हिंदी	प्रयोजनमूलक हिंदी

Nature of Question Paper

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न – 1. बहुविकल्पी 8 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	08 अंक
प्रश्न – 2. लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (6 में से 4)	12 अंक
प्रश्न – 3. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) अंतर्गत विकल्प के साथ	10 अंक
प्रश्न – 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10 अंक
	40 कुल अंक

Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

Name of Faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Name of the Course : B. A. - II Hindi, Semester - IV

बी. ए. भाग - 2 (हिंदी) चतुर्थ सत्र

(आंतरविद्या शाखा) (I. D. S.)

Title of the Paper – Rojgarparak Hindi

प्रश्नपत्र का नाम - रोजगारपरक हिंदी

With effect from - June 2023 – 24

जून, 2023 – 24 से आरंभ

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

बी. ए. भाग - 2 (हिंदी)

(आंतरविद्या शाखा) (I. D. S.)

चतुर्थ सत्र (Semester – IV)

रोजगारपरक हिंदी

अध्यापन वर्ष – 2023-24, 2024-25, 2025-26

परिचय / Introduction

व्यावहारिक हिंदी के रूप में हिंदी भाषा का बहुमुखी विकास हो रहा है | हिंदी का बैंक, दूरदर्शन सरकारी कार्यालय, प्रेस, मीडिया, फिल्म, इंटरनेट, विज्ञापन आदि क्षेत्र में बड़े पैमाने पर प्रयोग हो रहा है | बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भी हिंदी की महत्ता को स्वीकार कर उसके जरिए अपना व्यवहार शुरू किया है | सभी स्थानों पर अब हिंदी का प्रयोग किया जा रहा है | हिंदी ने अनुवाद के माध्यम से वैश्विक संदर्भ में ज्ञान-विज्ञान और तकनीकी को स्वयं के अनुकूल बनाया है | हिंदी के इस रूप में रोजगार के कई अवसर निर्माण हुए हैं | अतः हिंदी के रोजगारपरक स्वरूप को जानना अनिवार्य है |

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course Objectives

1. अनुवाद के स्वरूप और महत्त्व से अवगत करना |

2. विज्ञापन की दुनिया और व्यापार से परिचित करना |

3. अनुवाद और विज्ञापन के स्वरूप से परिचित करना |

4. पटकथा लेखन एवं संवाद से अवगत करना |

5. प्रयोजनमूलक हिंदी के माध्यम से रोजगारपरक कौशल को विकसित करना |

6. हिंदी भाषा के प्रयोग के प्रति रुचि निर्माण कर संगणक के कार्यों से छात्रों को अवगत करना |

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. अनुवाद के स्वरूप और महत्व से अवगत होंगे |

2. विज्ञापन की दुनिया और व्यापार से परिचित होंगे |

3. अनुवाद और विज्ञापन के स्वरूप से परिचित होंगे |

4. पटकथा लेखन एवं संवाद से अवगत होंगे |

5. प्रयोजनमूलक हिंदी के माध्यम से रोजगारपरक कौशल विकसित होगा |

6. हिंदी भाषा के प्रयोग के प्रति रुचि जगाकर संगणक के कार्यों से छात्रों अवगत होंगे |

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. **कक्षा व्याख्यान**
2. **सामूहिक चर्चा**

CBCS Pattern B. A.- II (I. D. S.) Hindi Semester - IV

(Credit Theory - 4 Practical - 0)

Total Theory Lectures - 60

अध्ययनार्थ विषय Total No. of Lectures - 60

इकाई I Credit – I Lectures 15

अनुवाद

1. अनुवाद : अर्थ, परिभाषा, प्रकार
2. अनुवादक के गुण
3. अनुवाद के गुण और दोष

इकाई II Credit – I Lectures 15

विज्ञापन

1. विज्ञापन परिभाषा एवं स्वरूप
2. विज्ञापन के तत्व, विज्ञापन की विशेषताएँ
3. चित्र या विषय के आधार पर विज्ञापन लेखन

इकाई III Credit – I Lectures 15

पटकथा लेखन एवं संवाद लेखन

1. पटकथा एवं संवाद (डायलॉग) अर्थ एवं परिभाषा
2. पटकथा एवं संवाद की आवश्यकता, पटकथा लेखन के प्रकार

3. संवाद लेखन (सामाजिक, राष्ट्रीय एवं प्राकृतिक आपदा आदि विषयों के आधार पर)

इकाई IV **Credit – I Lectures 15**

संगणकीय (कंप्यूटर)

1. संगणक परिचय
2. संगणक के अंग
3. संगणकीय कार्य - ई-मेल, डाटा एंट्री, इंटरनेट, फेसबुक, ब्लॉग

*** हिंदी एवं पारिभाषिक वाक्यांश का अनुवाद (अंग्रेजी से हिंदी)**

List of Reference books / संदर्भ ग्रंथ सूची

1. प्रयोजनमूलक हिंदी - पाण्डेय एवं अवस्थी, आशीष प्रकाशन, कानपुर
2. हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप – डॉ. कैलाश चंद्र भाटिया,साहित्य भवन प्रा. लिमिटेड, इलाहाबाद
3. नया मीडिया संसार– डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू, वाईकिंग बुक्स, जयपुर
4. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं सूचना प्रौद्योगिकी – डॉ. यू. सी. गुप्ता, अर्जुन पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली
5. कम्प्युटर क्या, क्यों और कैसे ? – राम बन्सल विज्ञानाचार्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. कम्प्युटर क्या है ? – गुणाकर मुळे , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. कम्प्युटर : सूचना प्रणाली - राम बन्सल विज्ञानाचार्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. अनुवाद विज्ञान की भूमिका – कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

9. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा – डॉ. सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

10. अनुवाद का समाज शास्त्र – डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे, अमित प्रकाशन, नई दिल्ली

11. कार्यालयी हिंदी एवं कार्यालयी अनुवाद तकनीक – सं. डॉ. सुरेश माहेश्वरी, विकास प्रकाशन, कानपुर

12. विज्ञापन की दुनिया – कुमुद शर्मा, प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली

13. विज्ञापन व्यवसाय एवं कला – डॉ. रामचंद्र तिवारी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली

14. मीडिया और हिंदी भाषा का स्वरूप – डॉ. मनीष गोहिल, साधना प्रकाशन, कानपुर

परिशिष्ट

पारिभाषिक वाक्यांश - 30 (अंग्रेजी से हिंदी)

01	Acting in good faith	सद्भाव से कार्य करते हुए	
02	Beg to state	निवेदन है	
03	Circulate and then file	संबंधित व्यक्तीयों को दिखाकर फाईल कर दीजिए	
04	Early orders are solicited	शीघ्र आदेशों की प्रार्थना है	
05	For sympathetic	सहानुभूतिपूर्वक विचार के लिए	
06	Fix up some date for discussion	विचार – विमर्श के लिए कोई तारीख निश्चित करें / तय करें	
07	Hard and fast rule	पक्का नियम
08	Has no comments to make	को कोई टीका नहीं करनी है	
09	Give him the particulars of the case	उन्हें मामले का पूरा विवरण दें	
10	Correspondence resting with your letter	आपके पत्र के साथ रुका हुआ पत्र व्यवहार	
11	Explain in your letter	आपके पत्र मे स्पष्ट किया गया	
12	Figures for the period under review have been furnished	आलोच्य अवधि के आँकडे भेजे जा चुके हैं	
13	I agree	मैं सहमत हूँ	
14	Inquiry into the case has started	मामले की जाँच शुरू हो गई है	
15	I fully agree to the office note	कार्यालय की टिप्पणी से मैं पूर्णतः सहमत हूँ	
16	On an average	औसतन	
17	Needs no comments	टिप्पणी की आवश्यकता नहीं	

18	Paper for Disposal	निपटाने के लिये कागज |
19	To the point	विषयानुकूल / सुसंगत / प्रासंगिक
20	Request information may please be given before the meeting	बैठक के पहले अपेक्षित सूचना दी जाए |
21	Self contained note	स्वतःपूर्ण टिप्पणी
22	Will have to server connection from this office	इस कार्यालय से सबंध विच्छेद करना होगा |
23	Take the granted	मान लेना / मानकर चलना |
24	Vide letter No.	पत्रसंख्या देखिए |
25	No action	कोई कार्यवाही / किसी कार्यवाही की आवश्यकता नहीं |
26	Take over	ले लेना / कार्यभार संभालना |
27	Lay Down	निर्धारित करना |
28	For good and sufficient reasons	उपयुक्त और पर्याप्त कारणों से |
29	May be filled	फाईल कर दिया जाए |
30	As a matter of fact	यथार्थतः / वस्तुतः |

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1.	रोजगारपरक हिंदी	रोजगारपरक हिंदी

Nature of Question Paper

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न – 1. बहुविकल्पी 8 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	08 अंक
प्रश्न – 2. लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (6 में से 4)	12 अंक
प्रश्न – 3. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) अंतर्गत विकल्प के साथ	10 अंक
प्रश्न – 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10 अंक
	40 कुल अंक